|| श्री विद्यासागराय नमः || || श्री आदिनाथाय नमः || || श्री प्रशान्त निर्वेगसागराय नमः ||

कण्ठस्थ विद्या सम्मान

मातृभाषा विद्या

1.छहढाला	-	301
2.एकीभाव स्तोत्र (पद्यानुवाद)	-	201
3.चौबीसी स्तवन (आदिम)	-	101
4.बारह भावना (मंगतराय)	-	101
5.सम्मेद शिखर वंदना	-	101
6.निर्वाण काण्ड	-	101
7.मेरी भावना	-	101
8.सामायिक चर्या	-	101
9.आलोचना पाठ	-	101
10.गुरु वंदना	-	51
11.मंगल भावना	-	51
12.शिक्षाप्रद दोहावली	-	51
13.नीति अमृत	-	51
14.सूर्योदय दोहावली	-	51
15.आध्यात्म दोहावली	-	51
16.पूर्णोदय दोहावली	-	51
17.अशरीरी सिद्ध	-	51
18.जब जीवन का अंत	-	51
19.प्रभु पतित पावन	-	51
20.गुण रत्नाकर	-	51
21.भवसागर, तुम्हे छोडकर	-	51
22.आगे-आगे अपनी अरथी	-	51
23.हे प्रभु ज्ञान	-	51
24. सामायिक पाठ (प्रेमभाव)	-	51
25. वैराग्य भावना	-	51
26.मिलता है सच्चा	-	21
27.गुरु ने जहाँ	-	21
28.णमोकार मय	-	21
29.अरिहन्त सिद्ध	-	21
30.समाधि भावना	-	21
31.राजा राणा	-	21
32.हमारे कष्ट मिट	-	21
33.परम दिगम्बर	-	21
34.चरणों में नमन	-	21
35.प्रायश्चित पाठ	-	21
36.श्वांस श्वांस में तुम्हें	-	21

प्राकृत-संस्कृत विद्या

1.जिनसहस्त्रनाम	-	501
2.तत्वार्थ सूत्र	-	501
3.सुनीति शतक	-	501
4.परीषहजय	-	501
5.इष्टोपदेश	-	201
6.द्रव्यसंग्रह	-	201
7.प्रश्नोत्तर रत्नमाला	-	201
8.एकीभाव स्तोत्र	-	201
9.भक्तामर स्तोत्र	-	101
10.कल्याण मंदिर स्तोत्र	-	101
11.भावना द्वात्रिंशतिका	-	101
12.चौबीसी स्तुति	-	101
13.मंगलाष्टक	-	51
14.महावीराष्टक	-	51
15.सुप्रभातस्तोत्र	-	51
16.विद्याष्टक	-	51
17.शान्तिनाथ स्तवन	-	51
18.गोमटेश अष्टक	-	51
19.वीतराग स्तोत्र	-	51
20.परमानन्द स्तोत्र	-	51
21.दर्शन पाठ	-	51
22.पंचमहागुरु भक्ति	-	51
23.सिरी तित्यर भत्ति	-	51
24.सरस्वती स्तोत्र	-	51

एक नीति है- कंठस्थ विद्या अंठस्थ धनम्।

अर्थात कण्ठ में विराजित विद्या एवं अंटी अर्थात जेब में रखा धन ही व्यक्ति के काम में आता है। जैनाचार्य एवं विद्वानों द्वारा रचित प्रार्थना, स्तुति, स्तोत्र पाठ आदि बच्चों को कंठस्थ हो सके एवं उनका मस्तिष्क सद् विचारों, सकारात्मक सोच से पूरित रहे इस हेतु **'शुभोपयोग'** पुस्तक से उद्धृत पाठों को कण्ठस्थ करने वाले बच्चों को कुछ अंक यहाँ पर दिये जावेंगे। इस अंको के अनुसार पुरस्कार राशि साल में एक बार सम्मान स्वरूप प्रशंसा पत्र के साथ प्रदान की जावेगी। अतः पाठशाला के सभी बच्चे स्तुति आदि पाठों को याद करके अपने कक्षा शिक्षक को सुनाए। जिससे उन्हें कण्ठस्थ विद्या पुरस्कार से सम्मानित किया जा सके।

पुरस्कार वितरण -: श्रुतपंचमी पर्व- 4 जून 2022 शनिवार

विद्यार्थी का तथा पाठशाला का नाम, संचालिका शिक्षिका के हस्ताक्षर सहित सूचना पहुँचावें- श्री महेश जैन- 9425147972 श्री अविनाश जैन- 9425636118

अरिहंत कम्प्यूटर्स टीकमगढ़ 8226060609